दैनिक
यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर
॥▸ मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

भारत-इक्वाडोर के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। विश्व व्यापार केंद्र मुंबई और अखिल भारतीय उद्योग संघ द्वारा भारत और इक्वाडोर के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा के लिए एक उच्चस्तरीय व्यापारिक गोलमेज बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उद्योग जगत, निर्यातकों, आयातकों,

भारतीय कंपनियों के लिए है अनुकूल वातावरण

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर इक्वाडोर में भारत की राजदूत एच.ई. अनीता शुक्ला ने कहा कि इक्वाडोर भारतीय कंपनियों के लिए निवेश और व्यापार का अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि देश में अमेरिकी डॉलर को राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में अपनाए जाने से व्यापारिक स्थिरता और पारदर्शिता बनी हुई है, जिससे विदेशी निवेशकों को कारोबार करने में सुविधा मिलती है। अनीता शुक्ला ने बताया कि भारत सरकार के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत इक्वाडोर के पेशेवरों और सरकारी प्रतिनिधियों को विशेष प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों को इक्वाडोर आने और वहां उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आमंत्रण भी दिया। मुंबई में इक्वाडोर के मानद वाणिज्य दूत और फिल्म निर्माता आनंद पंडित ने कहा कि इक्वाडोर अभी भी भारतीय उद्योग जगत के लिए एक अनछुआ बाजार है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा निवेश संबंधों को बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं।

व्यापारिक संबंधों की अपार संभावनाएं

विश्व व्यापार केंद्र मुंबई के अध्यक्ष और अखिल भारतीय उद्योग संघ के अध्यक्ष डॉ. विजय कलंत्री ने कहा कि भारत और इक्वाडोर के बीच पारंपरिक और उभरते दोनों क्षेत्रों में व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापार मुख्य रूप से कच्चे तेल, झींगा, कृषि उत्पादों, औषधियों, इंजीनियरिंग वस्तुओं और मोटर वाहनों पर आधारित है। डॉ. कलंत्री ने कहा कि हरित ऊर्जा, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खाद्य प्रसंस्करण और डिजिटल नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तार दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित वरीयता व्यापार समझौता दोनों देशों के कारोबारियों के लिए नए अवसर खोलेगा।